

**कुशीलव** पुं. (तत्.) 1. कवि, चारण 2. नाटक खेलने वाला, नट 3. गवैया 4. वाल्मीकि ऋषि का एक नाम 5. वार्ता प्रसारक, संवाददाता 6. गप्प हाँकनेवाला व्यक्ति।

**कुशूल** पुं. (तत्.) अन्न रखने का घेरा, कोठला, कोठार, डेहरी। 2. तुषाग्नि 3. कड़ाही 4. एक राक्षस 5. बुरी पीड़ा।

**कुशूलधान्यक** पुं. (तद्.) गृहस्थों का एक भेद, वह गृहस्थ जिसके पास तीन वर्ष के लिए खाने भर को अन्न संचित हो।

**कुशतमकुशता** पुं. (फा.) उठापटक, गुत्थमगुत्था, लड़ाई।

**कुशता** पुं. (फा.कुशतः) 1. वह भस्म जो धातुओं को रासायनिक क्रिया से फूँककर बनाया जाए, भस्म जैसे- सोने का कुशता, चांदी का कुशता 2. वह जो मार डाला गया हो, निहत 3. लाश।

**कुशती** स्त्री. (फा.) दो आदमियों का परस्पर एक दूसरे को बलपूर्वक पछाड़ने या पटकने के लिए लड़ना, मल्लयुद्ध यो. कुशतीबाज-कुशती लड़नेवाला मुहा. कुशती में बढ़ा रहना- कुशती में जीत होना; कुशती बराबर रहना या छूटना- कुशती में किसी का न हारना; कुशती मारना- कुशती जीतना, कुशती में दूसरे को पछाड़ना; कुशती मांगना- (किसी को) अपने साथ कुशती लड़ने के लिए कहना; कुशती लड़ना- (किसी को) शिक्षा देने के लिए (उससे) लड़ना; कुशती खाना- कुशती में हार जाना।

**कुशीतक** वि. (तत्.) 1. एक ऋषि का नाम 2. एक पक्षी।

**कुशीद** स्त्री. (तत्.) तटस्थ, उदासीन।

**कुशुंभ** पुं. (तत्.) कीड़ों की वह थैली जिसमें उसका विष रहता है।

**कुष्ठ** पुं. (तद्.) 1. कोढ़ 2. कुट नामक औषधि 3. कुड़ा नामक वृक्ष 4. नितंब का गड़ढा।

**कुष्ठसूदन** पुं. (तत्.) अमलतास, कुशती लड़नेवाला, पहलवान।

**कुष्ठहत** पुं. (तत्.) 1. खैर का पेड़ 2. विड्खदिर 3. कुष्ठ नाशक।

**कुष्ठा** स्त्री. (तत्.) टोकरी का मुँह।

**कुष्ठारि** पुं. (तत्.) 1. अर्क पत्र 2. गंधक 3. परवल।

**कुष्मांड** पुं. (तद्.) 1. कुम्हड़ा 2. एक प्रकार के देवता जो शिव के अनुचर हैं 3. जरायु, गर्भस्थली।

**कुष्मांड नवमी** स्त्री. (तत्.) कार्तिक शुक्ल नवमी इसी दिन कुम्हड़े में स्वर्णादि रखकर दान करते हैं।

**कुष्मांडी** स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती का नाम 2. एक ऋचा 3. यज्ञ में प्रयुक्त क्रिया या कर्म 4. कुम्हड़ा।

**कुसंग** पुं. (तत्.) बुरे लोगों का साथ।

**कुसंगति** स्त्री. (तत्.) बुरे लोगों का साथ।

**कुसंस्कार** पुं. (तत्.) अंतःकरण में अयथार्थ या निषिद्ध बात का प्रभाव जिससे बुद्धि ठीक निश्चय न कर सके या मन अच्छे कामों में न लगे, बुरा संस्कार।

**कुसमय** पुं. (तत्.) 1. बुरा समय 2. समय जो किसी कार्य के लिए ठीक नहीं 3. नियत समय से आगे या पीछे का समय 4. संकट काल।

**कुसीद** पुं. (तत्.) 1. ब्याज पर रुपया देने की रीति, सूद, ब्याज 2. ब्याज पर दिया हुआ धन 3. रक्त चंदन 4. सूद देने वाला व्यक्ति, सूदखोर वि. आलसी, सुस्त, अकर्मण्य।

**कुसीदजीवी** पुं. (तत्.) सूदखोर।

**कुसीदा** स्त्री. (तत्.) ऋण देनेवाली स्त्री।

**कुसीदी** पुं. (तत्.) महाजन या सूदखोर।

**कुसुंभ** पुं. (तत्.) 1. कुसुम, अग्निशिखा 2. केसर, कुमकुम 3. तपस्वी का जलपान 4. स्वर्ण 5. बाह्य प्रेम, दिखावटी प्रेम 6. बरें 7. क्षुप जाति का एक पौधा जिसमें कोंटेदार पत्ते व लाल फूल होते हैं।